FOR THE MONTH 07 JULY

तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेन्द्र

प्रह्लाद अग्रवाल

I निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. 'तीसरी कसम' फ़िल्म को कौन- कौन से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है?

उ० * राष्ट्रपति स्वर्णपदक
* बंगाला जर्नलिस्ट ऐसोसिएशन का सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म पुरस्कार
* मास्को फ़िल्म फेस्तिवल पुरस्कार।

2. शैलेंद्र ने कितनी फ़िल्मे बनाई?

उ० शैलेंद्र ने अपने जीवन में केवल एक ही फ़िल्म का निर्माण किया। 'तीसरी कसम' ही उनकी पहली व अंतिम फ़िल्म थी।

3. लेखक ने राजकपूर को एशिया का सबसे बड़ा शोमैन कहा है। शोमैन से आप क्या समझते है?

उ० शोमैन का अर्थ है प्रसिद्ध प्रतिनिधि आकर्षक व्यक्तित्व। ऐसा व्यक्ति जो अपने कला-गुण व्यक्तित्व तथा आकर्षण के कारण सब जगह प्रसिद्ध हो। राजकपूर अपने समय के महान फ़िल्मकार थे। उन्हें एशिया का सबसे बड़ा शोमैन इसलिए कहा गया है क्योंकि उनकी फ़िल्मे शोमैन से संबंधित सभी मानदंडों पर खरी उतरती थीं। वे एक सर्वाधिक लोकप्रिय अभिनेता थे। राजकपूर की धूम भारत के बाहर देशों में भी थी।

4. राजकपूर द्वारा फ़िल्म की असफलता के खतरों से आगाह करने पर भी शैलेंद्र ने यह फ़िल्म क्यों बनाई?

उ० राजकपूर फ़िल्म जगत् में एक उच्चकोटि के फ़िल्म निर्माता व निदेशक थे। वे जानते थे कि शैलेंद्र फ़िल्म निर्माण के क्षेत्र में अनुभवहीन है। उन्होंने एक सच्चे मित्र व हितैषी के रूप में शैलेंद्र को फ़िल्म की असफलता के खतरों से आगाह कर दिया था, फिर भी उनमें तीव्र लालसा थी कि वे एक आदर्श फ़िल्म बनाएँ।

उन्हें धन-दौलत तथा यश की कामना नहीं थी। वे अपनी आत्म संतुष्टि के लिए ही फिल्म निर्माण किए।

5. आशय स्पष्ट कीजिए:

(क) व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है

उ० लेखक के अनुसार हमारी ज़िंदगी में दुख तकलीफ़ें तो आती ही रहती हैं परंतु हमें उन दुखों में हार नहीं मानना चाहिए। जीवन की कठिनाइयों का साहसपूर्वक सामना करके उन पर काबू पाना चाहिए। हमें दुख की घड़ी में भी निराशा का दामन छोड़कर आशावादी बनना चाहिए और निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

तोप - वीरेन डंगवाल

उत्तर लिखिए

1. तोप ने किस सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिए थे?

उ० जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संघर्ष में भाग लिया था, उनके धज्जे उड़ा दिए थे।

2. कभी-कभी शैतानी से गौरैयें क्या करती हैं?

उ० कभी-कभी शैतानी से तोप के भीतर घुस जाती हैं।

3. विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उ० - विरासत में मिली चीज़ों की सँभाल इसलिए की जाती है क्योंकि वे हमारे पूर्वजों व बीते समय की देन होती हैं। ये हमारे धरोहर हैं और इनकी रक्षा का भार हम पर होता है। धरोहर हमें हमारी संस्कृति व इतिहास से जोड़ती हैं। इन्हीं के माध्यम से हम अपनी पुरानी पीढ़ियों से जुड़े रहते हैं।

4. कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

उ० कंपनी बाग में रखी तोप यह सीख देती है कि अत्याचारी शक्ति चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, पर उसका अंत अवश्य होता है। मानव शक्ति सबसे प्रबल होती है और वही विजयी होकर रहती है। यह हमें अतीत से प्रेरणा लेकर भविष्य को सँवारने का संदेश देती है।

5. कविता में तोप के दो बार चमकाने की बात की गई है? ये दो अवसर कौन-से होंगे?

उ० कविता में जिन दो अवसरों पर तोप को चमकाने की बात की गई है, वे हैं-

(i) 15 अगस्त - स्वतंत्रता दिवस

(ii) 26 जनवरी - गणतंत्र दिवस

सपनों के से दिन

गुरदयाल सिंह

1. पीटी साहब की 'शाबाश' फौज़ के तमगों सी क्यों लगती थी? स्पष्ट कीजिए।

उ० पीटी साहब प्रीतमचंद बहुत कड़क इनसान थे। उन्हें किसी ने न हँसते देखा न किसी की प्रशंसा करते। सभी छात्र उससे भयभीत रहते थे। वे मार-मार कर बच्चों की चमड़ी तक उधेड़ देते हैं। छोटे-छोटे बच्चे यदि थोड़ा सा भी अनुशासन भंग करते तो वे उन्हें कठोर सजा देते थे। ऐसे कठोर स्वभाव वाले पीटी साहब बच्चों के द्वारा गलती न करने पर अपनी चमकीली आँखे हल्के से झपकाते हुए उन्हें शाबाश करते थे। उनकी यह शाबाश बच्चों को फौज़ के सारे तमगों को जीतने के समान लगती थी।

2. नयी श्रेणी में जाने और नयी कॉपियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता है?

उ० (i) लेखक गरीब परिवार का था। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न थी। वह नई किताबें खरीद न सकता था। उसे हेडमास्टर द्वारा अन्य लड़कों की किताबें मिल जाती थी। इन पुरानी किताबों मे से विशेष प्रकार की गंध आती थी जो उसके बालमन को उदास कर देती थी।

(ii) लेखक की उदासी का दूसरा कारण अगली कक्षा की कठिन पढ़ाई को लेकर था। नए मास्टरों द्वारा मारपीट का भय उसके भीतर तक समाया हुआ था क्योंकि उसके विद्यालय के मास्टर पीटते-पीटते चमड़ी तक उधेड़ देने को तैयार रहते थे।

3. हेडमास्टर शर्मा जी ने पीटी साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया?

उ० पीटी साहब चौथी कक्षा के लड़कों को फारसी पढ़ाते थे। वे विद्यार्थियों को शब्द रूप पढ़ने पर बल देकर करते थे। एक दिन जब कक्षा के विद्यार्थी दिए गए शब्द रूप याद करके न आए तो पीटी साहब ने उन्हें क्रूरतापूर्ण ढंग से मुर्गा बनाकर पीठ ऊँची करने का आदेश दिया। सजा के कारण कई लड़के गिर गए तभी हेडमास्टर साहब वहाँ आ गए और उन्होंने यह सारा दृश्य अपनी आँखों से देख पीटी सर की करतूत पर उत्तेजित होकर उन्हें तत्काल मुअत्तल अर्थात् निलंबित कर दिया।

4. पीटी सर की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उ० : बाह्य व्यक्तित्व - प्रीतमचंद ठिगने कद के थे। वे चौथी श्रेणी के बच्चों को फारसी पढ़ाया करते थे। वे मौखिक अभिव्यक्ति एवं याद याद करने पर बल देकर करते

थे। वे एक कुशल अध्यापक थे। वे कुशल प्रशिक्षक थे। वे छात्रों को स्काऊट और गाइड की ट्रेनिंग दिया करते थे। प्रीतमचंद्र अनुशासन प्रिय होने के कारण कठोर अनुशासन बनाए रखते थे। वे कोमल हृदय के भी थे। उन्होंने अपने घर में तोते पाल रखे थे। उनसे बात करते थे और उसे भीगे हुए बादाम भी खिलाया करते थे।

5. बचपन की यादें मन को गुदगुदाने वाली होती हैं विशेषकर स्कूली दिनों की। अपने अब तक के स्कूली जीवन की खट्टी-मीठी यादों को लिखिए।

उ०. बचपन की और विशेषकर स्कूली जीवन की खट्टी-मीठी यादें मन को गुदगुदाती रहती थी। ये यादें सभी की निजी होती हैं। मेरी भी कुछ यादें मेरे साथ हैं .....
[बच्चे खुद से लिखेंगे।]

व्याकरण : रचना के आधार पर वाक्य रूपांतर

लेखन कौशल : औपचारिक पत्र (सभी विषयों पर)

लेखन कौशल : ई. मेल लेखन

उपर्युक्त सभी विषय Complete Study Material अथवा Rachna Sagar किताब से जाँच लें। (अभ्यास, कार्य पत्र भी जाँच लें) अथवा कक्षा में करवायें।